वर्ष–2022

24 पृष्ठीय

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
HINDI	0	5	1	~~HINDI~~ ENGLISH

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

111314

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	1	2	2	7	5	9	8

शब्दों में

Two	Two	One	Two	Two	Seven	Five	Nine	

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में [–] शब्दों में [–]

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक [14]

ग – परीक्षा की दिनांक [19 | 02 | 22]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा

केन्द्र क्रमांक–122014

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
19/2/2022	केन्द्राध्यक्ष अशा0 सरस्वती विधा मन्दिर हायर सैकेण्डरी स्कूल श्योपुर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	परीक्षक क्रमांक-34079 राकेश कुमार मिश्रा शास.क.उ.मा.वि.चंदिया

नोट :– ''हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये [illegible] पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% [illegible] स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जा[illegible]

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	[illegible] (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में लें। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें →

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16 Oddy

प्रश्न क्र.

हिन्दी

प्रश्न - 1 निम्नलिखित वाक्यों के लिए . . . . . .

उत्तर 1 (i) जग - जीवन का

उत्तर 1 (ii) तुलसीदास की

उत्तर 1 (iii) जब मन खाली न हो

उत्तर 1 (iv) चाँद सिंह को

उत्तर 1 (v) आनन्द यादव

उत्तर 1 (v) उपरोक्त सभी

उत्तर 1

प्रश्न - 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति . . . .

उत्तर 2) (i) प्रत्याशा

उत्तर 2) (ii) लछमिन

उत्तर 2 मराठी

MPBSE

पृष्ठ 3 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर 2) iv) कर्म

उत्तर 2) v) उत्साह

उत्तर 2) (vi) मात्रिक

2) (vii) आकाश

MPBSE

प्रश्न 3) सही जोड़ी बनाइए :-

(बात की चूड़ी मर जाना — बात का प्रभावहीन हो जाना

(ii) अवधूत — शिरीष के फूल

(iii) सिल्वर वैडिंग — यशोधर बाबू

(iv) हानी का केंद्रीय बिन्दु — कथानक

(v) पाई छन्द — 16-16 मात्राएँ

(vi) सम — संस्कृत के मूल शब्द

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न 4: एक वाक्य में उत्तर लिखिए →

उत्तर 4) उषा का जादू सूर्योदय होने पर टूटता है।

उत्तर 4) पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे।

उत्तर 4) सिन्धु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मुअनजोदड़ो है।

उत्तर 4) रेडियो नाटक की अवधि 15-30 मिनट तक की होती है।

उत्तर 4) शब्दगुण तीन प्रकार के होते हैं।

उत्तर 4) (vi) 'दूसरा घर कर लेना' का अर्थ है — अलग होना।

उत्तर 4) (vii) जो शब्द किसी क्रिया की विशेषता बताते हैं, वे शब्द क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में सत्य / असत्य . . . .

उत्तर 5) i) सत्य

उत्तर 5) ii) असत्य

उत्तर 5) iii) सत्य

www.oddyindia.com
MPBSE

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर 5) (iv) सत्य

उत्तर 5) v) सत्य

उत्तर 5) vi) ~~असत्य~~ असत्य

उत्तर - 6

बच्चे अपने माता - पिता की प्रत्याशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे। उनके माता - पिता सुबह जल्दी भोजन का प्रबंध करने के लिए, अपने घोंसलों से निकल गए होंगे। ऐसे में भूख से व्याकुल एवं माता - पिता के वात्सल्य से वंचित बच्चे अपने अभिभावकों की प्रत्याशा में होंगे।

उत्तर - 7

'छोटा मेरा खेत', कविता के संदर्भ में 'अंधड़' का अर्थ है कल्पना से परिपूर्ण भाव रूपी आँधी और 'बीज' का अर्थ है कल्पना का बीज। कवि कहता है कि जिस

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रकार आँधी के माध्यम से कोई बीज किसान के खेत में लग जाता है। उसी प्रकार जब कवि के हृदय से भाव निकलते हैं तो वे कवि के कागज़ पर समा जाते हैं और कविता का रूप ले लेते हैं।

उत्तर - 8

भक्तिन के आ जाने से महादेवी वर्मा अधिक देहाती हो गईं थीं। भक्तिन स्वयं में कोई परिवर्तन नहीं करना चाहती अपितु वह दूसरों को अपने अनुसार बनाना चाहती थी। लेखिका को रात को मकई का दलिया, सुबह मट्ठा, ज्वार के भुने हुए हरे-हरे दानों की खिचड़ी और सफेद महुए की लपसी मिलने लगी। इस कारण लेखिका अधिक देहाती हो गई।

उत्तर - 9

लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह माना है। जिस प्रकार अवधूत सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर अजेयता का मंत्र देता है। सुख-दुख दोनों ही परिस्थितियों में एक समान

M P B S E

MPBSE

ST-16 A4

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

रहता है उसी प्रकार शिरीष का फूल भी जेठ की गर्मी, आँधी, भादों की उमस आदि में भी नीचे से ऊपर तक खिल उठता है। ऐसा लगता है मानो उसने समय और काल को जीत लिया हो। इसी समानता के कारण लेखक ने शिरीष के फूल को कालजयी अवधूत माना है।

उत्तर -10

यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है। इसके अनेक कारण हैं। पहला तो वह अपनी मातृसुलभ प्रवृत्ति के चलते अपने बच्चों की खुशी के लिए बालों में गुलाब लगाती है और होठों पर लाली लगाती है। उसका कोई आदर्श भी नहीं था। साथ ही शादी के बाद उसे संयुक्त परिवार में रहना पड़ा। परंतु यशोधर बाबू के आदर्श किशनदा थे और उनपर बचपन से ही जिम्मेदारियों का बोझ था। इस कारण वे समय के साथ ढल नहीं सके।

M P B S E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर - 11

किसी भी समाचार को प्रभावशाली बनाने के लिए उसमें छः सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है। वे सवाल हैं — क्या हुआ, कब हुआ, कहाँ हुआ, कैसे हुआ, किसके साथ हुआ, क्यों हुआ। समाचार में इनका उत्तर मिलने पर पूर्ण जानकारी मिलती है।

उत्तर - 12

विरोधाभास अलंकार — जब किसी क्रिया, पदार्थ आदि में वास्तविक विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास होता है, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है। यह एक अर्थालंकार है।

उदाहरण → "मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ"

M P B S E

उत्तर - 13

सोरठा छंद — सोरठा छंद दोहा छंद का विपरीत होता है। इसके प्रथम ~~एवं~~ तृतीय चरण में 11 - 11 मात्राएँ होती हैं और द्वितीय और चतुर्थ चरण में 13 - 13 मात्राएँ होती हैं। कुल मिलाकर इसमें 24 मात्राएँ होती हैं।

उदाहरण → बार - बार कह राउ, समुखि सुलोचनि पिक बयनि।
कारन मोहि सुनाउ, गज समिनि निज कोप कर॥

उत्तर - 14

	मुहावरे		लोकोक्ति
(i)	मुहावरे अपने रूढ़ अर्थ के लिए प्रसिद्ध होते हैं। यह पूर्ण इकाई नहीं होते।	(i)	लोकोक्ति — लोक में प्रचलित उक्ति होती है। यह पूर्ण इकाई होती है।
(ii)	वाक्य के अनुसार रूपांतरण हो सकता है	(ii)	वाक्य के अनुसार रूपांतरण नहीं हो सकता।

M P B S E

प्रश्न क्र. | प्रश्न -15)

प्रश्न 15) वाक्यों को शुद्ध . . . . . .

उत्तर i) ईश्वर के अनेक नाम हैं।

उत्तर ii) मुझे ~~केवल~~ मात्र बीस रुपये दीजिए।

उत्तर - 16

तुलसीदास जी का जीवन परिचय →

जीवन परिचय - तुलसीदास जी का जन्म सन् 1532 में बाँदा जिले के राजापुर गाँव में हुआ था। जन्म बुरे नक्षत्र में होने के कारण आपके माता-पिता ने आपको त्याग दिया। नरहरिदास जी ने आपको वेद-पुराणो का ज्ञान दिया। इसके बात आपकी रत्नावली से शादी हो गई। कहा जाता है कि रत्नावली के व्यंग बाणों से आहत होकर अपने सांसारिक जीवन त्याग दिया। सन् 1623 में आपका देहांत हो गया।

दो रचनाएँ - गीतावली
रामचरितमानस

MPBSE

प्रश्न क्र.

भाव पक्ष →

(i) राम - भक्ति → आपकी प्रत्येक रचना में आपने श्री राम की भक्ति की है। आपने स्वयं को उनका सेवक माना है।

(ii) लोकमंगल भावना → आपकी रचनाओं में आपने लोगों को सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर जीने की सीख दी है।

(iii) शक्ति और सौंदर्य → आपकी रचनाओं में आपने श्री राम की शक्ति एवं उनके अनुपम सौंदर्य का वर्णन किया है।

(iv) भक्ति प्रधानता → आपकी रचनाओं में भक्ति - भाव की प्रधानता है।

कला पक्ष →

(i) भाषा → आपने ब्रज भाषा और अवधि का प्रयोग किया है। आपकी भाषा में माधुर्य गुण एवं सौंदर्य पूर्ण रूप से व्याप्त है।

M P B S E

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION
oddyindia.com www.

प्रश्न क्र.

(ii) शैली → आपने अपनी रचनाओं में अनेक प्रकार की शैलियों का प्रयोग किया है। आपके इस प्रयोग से आपकी रचनाएँ अत्यन्त सुंदर बन गई हैं।

(iii) अलंकार योजना → आपने अपनी रचनाओं में अनेक अलंकारों का प्रयोग किया है। जैसे — रूपक, अनुप्रास आदि।

(iv) रस योजना → आपने अपनी रचनाओं में विभिन्न रसों का प्रयोग किया है। जैसे → श्रृंगार, करुण आदि।

साहित्य में स्थान → आप जैसे महान एवं उच्च विचारधारा वाले कवि सदियों में जन्म लेते हैं। हिन्दी साहित्य जगत में आपका स्थान अद्वितीय है।

MPBSE

योग पूर्व पृष्ठ · पृष्ठ 13 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर -17

महादेवी वर्मा जी का साहित्यिक परिचय →

जीवन परिचय → महादेवी वर्मा जी का जन्म सन् 1907 में उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में हुआ। आपने सदैव सफेद साड़ी पहनी और कभी भी काँच नहीं देखा। आपने भारतीय आंदोलन में भी अपना योगदान दिया। आपकी रचनाओं के लिए आपको 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' और 'पद्मभूषण' से भी सम्मानित किया गया।

दो रचनाएँ → 'पथ के साथी'
'नीलकंठ'

भाषा → महादेवी वर्मा जी की भाषा बहुत ही सरल, सहज एवं भावानुकूल है। आपकी भाषा में तत्सम, तद्भव एवं देशज शब्दों का भी प्रयोग हुआ है। आपने अपनी भाषा में मुहावरों एवं लोकोक्तियों का भी प्रयोग किया है। आपकी भाषा बहुत ही प्रभावशाली है।

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

शैली →

(i) भावात्मक शैली — आपने अपनी रचनाओं में पात्रों का इस प्रकार वर्णन किया है कि वे सीधे मर्म को छू लेते हैं।

(ii) चित्रात्मक शैली — आपने अपनी रचनाएँ इतने सुंदर ढंग से प्रस्तुत की हैं कि सम्पूर्ण चित्र आँखों के सामने उभर आता है।

(iii) विवेचनात्मक शैली — आपने गंभीर रचनाओं में इस शैली का प्रयोग किया है।

(iv) वर्णनात्मक शैली — आपने अपनी रचनाओं में छोटे एवं प्रभावशाली शब्दों का प्रयोग किया है।

साहित्य में स्थान → साहित्य जगत में आपका स्थान बहुत ही ऊँचा एवं अद्वितीय है। हिन्दी साहित्य जगत आपकी रचनाओं के लिए सदैव आपका आभारी रहेगा।

MPBSE

मध्यप्रदेश

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर — 18

तत्सम	तद्भव
(i) तत्सम का शाब्दिक अर्थ है — उसके समान अर्थात् अपने स्त्रोत संस्कृत के समान।	(i) तद्भव का शाब्दिक अर्थ है — उससे उत्पन्न अर्थात् अपने स्त्रोत संस्कृत से उत्पन्न
(ii) वे शब्द जो ज्यों के त्यों संस्कृत से हिन्दी में प्रयुक्त किए जाते हैं, वे तत्सम शब्द कहलाते हैं।	(ii) वे शब्द जो परिवर्तन के साथ हिन्दी में प्रयुक्त किए जाते हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं।
(iii) उदाहरण — सर्प ~~माथा~~ सत्य	(iii) उदाहरण — साँप, माथा

M P B S E

प्रश्न — 19

प्रश्न 19) निम्नलिखित अपठित गद्यांश . . .

उत्तर 19 (i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक — "शौर्य और देशप्रेम" हो सकता है।

उत्तर 19 (ii) राष्ट्रीय भावना में शौर्यभाव का विशिष्ट स्थान है।

उत्तर 19 iii) सुदीर्घ शब्द का अर्थ है विस्तृत एवं सुंदर। अर्थात् सुंदर और बड़ा इतिहास।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर - २०

कविता एक उड़ान . . . .
. . . . क्या जाने ?

संदर्भ → प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह में संकलित पाठ 'कविता के बहाने' से अवतरित है। इसके रचयिता कवि कुंवर नारायण जी हैं।

प्रसंग → प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने कविता और चिड़िया के बीच उड़ने की समानता बताइ है और कविता की उड़ान को व्यापक बताया है।

व्याख्या → प्रस्तुत पद्यांश में कवि कहना चाहता है कि कविता भी चिड़िया की तरह ऊँची उड़ान भर सकती है। परंतु चिड़िया को तो थककर वापस नीचे आना ही होता है। जबकि कविता तो ऊँची उड़ान के माध्यम से अंतरिक्ष में उड़ती है। कवि अपनी कविताओं में कल्पना के माध्यम से ऊँची उड़ान भरती है। कविता अपने संस्कारों से आने वाली कई पीढ़ियों को प्रभावित करती है।

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

काव्य सौंदर्य →

(i) माधुर्य गुण विद्यमान है ।
(ii) गेय मुक्तक शैली है ।
(iii) अनुप्रास एवं पद मैत्री की शोभा है ।
(iv) तत्सम शब्दों की बहुलता है ।
(v) भाषा सरल एवं सहज है ।
(vi) रसों का प्रयोग है ।

MPBSE

उत्तर - 21

रात्रि की विभीषिका . . . .

संदर्भ → प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह में संकलित पाठ 'पहलवान की ढोलक' से अवतरित है । इसके रचयिता फणीश्वर नाथ रेणु जी हैं ।

प्रसंग → प्रस्तुत गद्यांश में कवि ने बताया है कि किस प्रकार पहलवान की ढोलक महामारी के समय लोगों में नवऊर्जा भर देती थी ।

प्रश्न क्र.

व्याख्या → प्रस्तुत गद्यांश में कवि कहता है कि रात्रि के समय हर तरफ सन्नाटा छाया हुआ था। किसी भी प्रकार की आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी। ऐसे में केवल पहलवान लुट्टन सिंह की ढोलक के बजने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। पहलवान की ढोलक संध्या से सुबह तक बजकर लोगों को जीने के लिए उत्साहित करती थी। मरते हुए व्यक्ति को मृत्यु से भय नहीं होता था। लोगों में बिजली दौड़ पड़ती थी। इस प्रकार महामारी से ग्रस्त गाँव में जीने की नई उमंग आ जाती थी।

विशेष →

(i) भाषा सरल एवं सहज है।
(ii) मुहावरों का प्रयोग हुआ है।
(iii) अलंकारों का प्रयोग हुआ है।
(iv) पहलवान की ढोलक की विशेषता बताई गई है।
(v) गाँव की दुर्दशा का चित्रण है।
(vi) तत्सम, तद्भव शब्दों की बहुलता है।

M P B S F

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

उत्तर - 22

23, विकास नगर
श्योपुर, (म.प्र)

दिनांक → 19-02-22

प्रिय मित्र कमलेश,
सप्रेम नमस्कार।
मैं यहाँ सकुशल हूँ और आशा करती हूँ ~~की~~ कि तुम भी कुशल होंगे। मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि मेरे बड़े भाई का विवाह इस माह की 26 तारीक ~~को~~ को तय हुआ है। तुम और तुम्हारा पूरा परिवार सादर आमंत्रित है।
तुम कुछ दिन पहले आ जाना और फिर हम मिलकर खूब मस्ती करेंगे। याद रखना की विवाह 26 फरवरी को कृष्णा पैलेस से है।

तुम्हारे माता-पिता ~~को~~ के चरण-स्पर्श एवं छोटी बहन को प्यार।

तुम्हारी मित्र
रेखा

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर - 23

"पर्यावरण प्रदूषण : उसकी रोकथाम में आपका योगदान"

आधुनिक काल में मनुष्य की विभिन्न गतिविधियाँ पर्यावरण को दूषित कर रही हैं। पर्यावरण के विभिन्न अंग — जल, वायु, धरती आदि मनुष्य के कारण दूषित हो गए हैं। हमारे द्वारा चलाए जाने वाले गाड़ी आदि साधनों से निकलने वाली नुकसानदायक हवाओं से पूरा आकाश दूषित हो गया है।

पर्यावरण प्रदूषण अनेक प्रकार का होता है। जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, धरती प्रदूषण आदि इसके कुछ प्रकार हैं। फैक्ट्रीयों से निकलने वाले दूषित पदार्थों से सारी नदियाँ गंदी हो गई हैं।

मनुष्य द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले प्लास्टिक के पदार्थों से पूरी धरती दूषित हो गई है। हर तरफ केवल प्रदूषण ही प्रदूषण फैला हुआ है।

MPBSE

आज के समय में इस प्रदूषण से दूर होना हमारी प्राथमिकता है। प्रदूषण के कारण केवल पर्यावरण को ही नुकसान नहीं होता अपितु मनुष्य को भी अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

पर्यावरण में प्रदूषण के कारण शुद्ध हवा नहीं है, जल प्रदूषण के कारण पीने के लिए शुद्ध पानी नहीं है। सभी और अनेक प्रकार की बिमारियाँ फैली हुई हैं। छोटे - छोटे बच्चों को भी साँस लेने में तकलीफ होती है।

अतः हमें पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। हमें गाड़ियों का कम-से-कम इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कपड़े के बैग इस्तेमाल करने चाहिए। हमें पर्यावरण में ज़्यादा से ज़्यादा पेड़ लगाने चाहिए। साथ ही पेड़ काटने पर सख्त रोक लगा देनी चाहिए।

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

पर्यावरण की रक्षा हमारा धर्म है।

"पर्यावरण स्वस्थ तो मनुष्य भी स्वस्थ"

MPBSE